AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : परास्नातक की सेमेस्टर परीक्षा 15 से

परीक्षा कार्यक्रम और केंद्रों की सूची जारी, दो पालियों में होंगी परीक्षाएं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीजी की सेमेस्टर परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू हो रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बृहस्पतिवार को विभिन्न विषयों के परीक्षा कार्यक्रम व परीक्षा केंद्रों की सूची जारी की। परीक्षा दो पालियों में होंगी। इसका विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया है।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि एमए हिंदी लविवि का परीक्षा केंद्र लविवि में और अन्य सभी सहयुक्त महाविद्यालयों का बीएसएनवी पीजी कॉलेज में बनाया गया है। इसी प्रकार एमए अंग्रेजी तीसरे सेमेस्टर में लविवि का केंद्र लविवि में अन्य सभी सहयुक्त महाविद्यालयों का नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय में बनाया गया है। एमए इकनॉमिक्स तीसरे सेमेस्टर में लविवि का केंद्र लविवि में और अन्य सभी सहयुक्त महाविद्यालयों का रामाधीन सिंह डिग्री कॉलेज में बनाया गया है।

इसी प्रकार बीपीएड तीसरे सेमेस्टर में लविवि का परीक्षा केंद्र लविवि में, जेएनपीजी, आर्यावर्त इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, जीएसआरएम मेमोरियल पीजी कॉलेज का केंद्र जेएनपीजी में बनाया गया है। इसी क्रम में रजत डिग्री कॉलेज, सिटी एकेडमी डिग्री कॉलेज, लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज व भालचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट का लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज को केंद्र बनाया गया है। बीएससी एग्रीकल्चर में चंद्रभानु गुप्ता कृषि महाविद्यालय का कॉलेज में, महेश प्रसाद डिग्री कॉलेज का कॉलेज में, भाल चंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट का कालीचरण डिग्री कॉलेज में केंद्र बनाया गया है। इसके साथ ही एमकॉम प्योर, एमकॉम अप्लाइड इकनॉमिक्स, एमए समाजशास्त्र के भी केंद्रों की सूची जारी की गई है।

बीएससी के प्रैक्टिकल 25 से

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी केमिस्ट्री पांचवें सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा 25 फरवरी से प्रस्तावित हैं। इसका विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। वहीं बीएससी तीसरे सेमेस्टर कंप्यूटर साइंस की प्रयोगात्मक परीक्षा 16 फरवरी को प्रस्तावित की गई है।

जानिए, कब-कौन सा होगा पेपर

परीक्षा नियंत्रक के अनुसार एमकॉम अप्लाइड इकनॉमिक्स की परीक्षाएं 15 फरवरी से, एमए साइकोलॉजी तीसरे सेमेस्टर की 16 फरवरी से 22 तक, बीए ऑनर्स साइकोलॉजी तीसरे सेमेस्टर की 17 फरवरी से 25 तक, पांचवें सेमेस्टर की 17 से 25 फरवरी तक, एमएससी एजी तीसरे सेमेस्टर की 20 से 24 फरवरी तक, एमएससी एजी एक्सटेंशन सेमेस्टर तीसरे सेमेस्टर की 20 से 24 फरवरी, एमएससी एजी एग्रोनॉमी तीसरे सेमेस्टर की 20 से 24 फरवरी, एमएससी एजी शॉएल साइंस तीसरे सेमेस्टर की 20 से 24 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी।

प्रो. इंद्रबीर सिंह को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ। लविवि के भूगर्भ विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. इंद्रबीर सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। दोपहर में उनका पार्थिव शरीर विभाग में अंतिम दर्शन के लिए लाया गया, जहां शिक्षकों व विद्यार्थियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

डॉ. अनूप भारतीय बने हेड

लखनऊ। लविवि में समाज कार्य विभाग के डॉ. अनूप कुमार भारतीय को हेड बनाया गया है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह के अनुसार डॉ. भारतीय 14 फरवरी से तीन साल तक के लिए नियुक्त किया गया है।

लविवि के इंजीनियरिंग विभाग को मिली कंसल्टेंसी

लखनऊ। लविवि की ओर से शुरू की गई कंसल्टेंसी क्लीनिक के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग को गलाकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड से कंक्रीट मिक्स डिजाइन के लिए 35 हजार रुपये की कंसल्टेंसी प्राप्त हुई है।

NBT PAGE 6

एलयू के म्यूजियम मैन नहीं रहे

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी के भूविज्ञान विभाग के पूर्व प्रोफेसर आईवी सिंह का लंबी बीमारी के बाद गुरुवार को निधन हो गया। प्रो. सिंह को 'म्यूजियम मैन' के तौर पर जाना जाता है। उनके शोध कार्य क्षेत्र अहम रहे। जालौन जिले के कालपी में खोदाई के दौरान मध्य पुरापाषाण युग की हड्डियों बरामद कर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। 74 बरस की उम्र में उन्होंने आंखरी सांस ली। प्रो. आईवी सिंह एलयू से साल 2008 में सेवानिवृत्ति हुए थे। हालांकि, बाद में एलयू में आईएनएसए के वरिष्ठ वैज्ञानिक के तौर पर सेवाएं दे रहे थे।

i-NEXT PAGE 2

डॉ. अनूप समाजकार्य विभाग के हेड

LUCKNOW: लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने समाजकार्य विभाग के प्रोफेसर डॉ. अनूप कुमार भारतीय को विभाग का हेड बनाया है. उनका कार्यकाल 14 फरवरी से तीन साल की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या कोई अन्य आदेश होने तक मान्य होगा.

पूर्व प्रो. आईबी सिंह का निधन

LUCKNOW: लखनऊ यूनिवर्सिटी के भू गर्भ विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. इंद्रबीर सिंह का गुरुवार को निधन हो गया. दोपहर 12.30 बजे उनका पार्थिव शरीर भू गर्भ विज्ञान विभाग में अंतिम दर्शन के लिए लाया गया. प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रो. इंद्रबीर सिंह ने एलयू से 1961 में बीएससी आनर्स और 1962 में एमएससी जियोलॉजी की डिग्री ली थी. वे लखनऊ यूनिवर्सिटी के भू-विज्ञान विभाग में 1972 में आए थे.

एमए समाजशास्त्र की परीक्षाओं के केंद्र

लविवि, एपी सेन मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज, बीएसएनवी पीजी कालेज, पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय कन्या महा. राजाजीपुरम, हीरा लाल यादव गर्ल्स डिग्री कालेज, महाराजा बिजली पासी राजकीय कालेज, श्रीजय नारायण डिग्री कालेज, लाला महादेव प्रसाद वर्मा बालिका महाविद्यालय, सीडी गर्ल्स डिग्री, भारतीय विद्या भवन गोमती नगर, रजत डिग्री कालेज कमता पंचवटी विनहट, रामाधीन सिंह गर्ल्स डिग्री कालेज, शिया कालेज, मुमताज डिग्री कालेज डालीगंज, कालीचरण डिग्री कालेज, आइटी पीजी कालेज, नेता जी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय अलीगंज, श्री दुर्गा शिक्षा निकेतन बीकेटी, आदर्श सत्येंद्र महाविद्यालय माल।

JAGRAN CITY PAGE III

यूजी-पीजी के कई और विषयों की परीक्षाओं के सेंटर तय

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक, परास्नातक के कई और विषयों की सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए 12 कालेजों को सेंटर सूची गुरुवार को जारी कर दी।

इनमें एमए हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, बीपीएड तीसरे सेमेस्टर और बीएससी एग्रीकल्चर विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं होंगी। 15 से एमकाम अप्लाइड इकोनामिक्स और 22 फरवरी से एमकाम प्योर की परीक्षाओं के लिए 17 तथा एमए समाज शास्त्र की परीक्षाओं के लिए 19 केंद्र बनाए गए हैं।

एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर परीक्षा

परीक्षा केंद्र महाविद्यालय का नाम

लविवि-लखनऊ विश्वविद्यालय

बीएसएनवी पीजी कालेज-अन्य सभी सहयुक्त महाविद्यालय, लविवि

एमए अंग्रेजी तृतीय सेमेस्टर

लविवि- लखनऊ विश्वविद्यालय

नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय कालेज -अन्य सभी सहयुक्त महाविद्यालय, लविवि

एमए इकोनामिक्स तृतीय सेमेस्टर

लखनऊ विश्वविद्यालय-लखनऊ विश्वविद्यालय

श्रीजेएनपीजी कालेज-श्रीजेएनपीजी कालेज, आर्यावर्त इंस्टीट्यूट आफ हायर एजुकेशन, जीएसआरएम मेमोरियल पीजी कालेज

क्रिश्चियन कालेज गोलागंज-रजत डिग्री कालेज चिनहट, सिटी एकेडमी डिग्री कालेज

बीएससी एग्रीकल्चर विषम सेमेस्टर

चंद्रभानु गुप्त कृषि महाविद्यालय-चंद्र भानु गुप्त कृषि महाविद्यालय बीकेटी

महेश प्रसाद डिग्री कालेज -महेश प्रसाद डिग्री कालेज मोहनलालगंज

कालीचरण डिग्री कालेज -भाल चंद्र इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट

यहां होंगी एमकाम प्योर, एमकाम अप्लाइड इको. की परीक्षाएं

लविवि, श्रीगुरुनानक गर्ल्स डिग्री कालेज, हीरा लाल यादव गर्ल्स डिग्री कालेज सरोजनी नगर, श्रीजय नारायण डिग्री कालेज, विद्यांत, कालीचरण डिग्री कालेज, रजत डिग्री कालेज, शिया कालेज, इरम गर्ल्स डिग्री कालेज इंदिरा नगर, श्री दुर्गा शिक्षा निकेतन बीकेटी, करियर कान्वेंट, रामाधीन सिंह गर्ल्स डिग्री कालेज, बोरा इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंस, रामा डिग्री कालेज, सीडी गर्ल्स डिग्री कालेज, नवयुग कन्या डिग्री कालेज, टेक्नो इंस्टीट्यूट आफ हायर स्टडीज।

TOI PAGE 1 and 4

Doyen of geology, Prof IB Singh, passes away at 75

'Sir used to come in slippers, even barefoot sometimes for lectures'

MohitaTewari@timesgroup.com

Lucknow: Prof IB Singh, the doyen of geology, museum man of Lucknow University, who was part of Dwarka Excavation and did comprehensive study of the Ganga Plains, providing in-depth analysis of landform development, and was head of geology department, breathed his last on Thursday morning at the age of 75 after prolonged illness.

Faculty members from all departments, scientists from Birbal Sahni Institute of Palaeosciences and other institutions rushed to pay tributes when his body was brought to LU.

V Sunil

Students, teachers pay tributes to Prof IB Singh at LU on Thursday

Famous among students, teachers and all people of the scientist fraternity, Singh was known for his simplicity and his over five decades of contribution in the field of geology.

▶Sir came barefoot, P 4

▶Continued from P1

Singh had done BSc (Hons) and MSc (geology) from LU in early 60s and joined as a lecturer in 1972 and served for around 40 years. He published four books and 200 research papers.

Faculty members and scientists who had been his students said he not only taught geology, but life lessons as well.

Former director of Geological Survey of India, Vikram Rai said, "If we could not get a reserved ticket during academic tours to excavation sites with sir, he sat on the train floor and used to say, *'Jab train mein berth na miley, tab jo earth pe so jaye, woh hi asli geologist hai'*."

"If you will not add more to your knowledge, your career will come down like landslides that occur often in Uttarakhand. This was how he taught us, he connected every concept of geology with our lives to make us understand life and science together," said Ravi Kant Singh, a senior geologist at groundwater department, UP.

"His teaching style was unique, and his simple living fascinated us. He came in slippers and sometimes even rushed barefoot to take lecture, since he believed that every second of his life was for his students. Name an institution in India or abroad in the field of geology, you will find there will be at least one bright geologist who had been Prof Singh's student," he added.

He was a teacher par excellence, like a parent to all his students, said faculty member Prof KK Agarwal.

"He developed the Centre of Sedimentological Research at the university. His contribution was not confined to LU, but at national and international level as well. He was associated with projects of the International Union of Geological Sciences (IGCP) and was a member of the Advisory Council of the Director General of Hydrocarbons, the list is long and unending," he added.

Senior geologist at Geological Survey of India, Kalyan Krishna, said, "I still remember each and every concept taught by him in MSc. He wanted to develop research temperament in every student. Our MSc was no less than doctoral study as sir made us understand that science is best understood when it is explained in simple words."

His science class was very different from the others because we never heard any incomprehensible technical terms or scientific jargon during his lecture as he taught in a lay man's language, Krishna added.

ILLUSTRIOUS LEGACY

- Prof IB Singh graduated from LU and served at ONGC
- He also taught at Louisiana State University (US) & University of Erlangen-Nuremberg (Germany)
- He was the Alexander von Humboldt Fellow in Germany (1978-79)
- He wrote 400 books and published 200 research papers
- Was conferred the L Rama Rao Birth Centenary Award by the Geological Society of India (1996) and National Mineral Award by Ministry of Mines (1996)

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू: 16 फरवरी से सेमेस्टर परीक्षा

लखनऊ। एलयू में स्नातक और परास्नातक तीसरे और पांचवे सेमेस्टर की परीक्षा 16 फरवरी से 25 फरवरी तक चलेगी। गुरुवार को शेड्यूल जारी किया गया। परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू होकर 10 बजे खत्म हो जाएगी। स्नातक सोशल वर्क तीसरे और पांचवें सेमेस्टर की परीक्षा 16 फरवरी से 23 फरवरी तक चलेगी। परास्नातक सोशल वर्क की परीक्षा 16 फरवरी से 25 फरवरी तक होगी। परास्नातक पापुलेशन एजुकेशन एंड रूरल डेवलपमेंट तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 16 फरवरी से 23 फरवरी तक चलेगी। परास्नातक क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 16 से 23 फरवरी तक चलेगी। परास्नातक पब्लिक हेल्थ (कम्युनिटी मेडिसिन) तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 16 फरवरी से 25 फरवरी तक होगी।

बीए आनर्स सोशल वर्क की परीक्षाएं 16 से

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीए और एमए के कुछ बचे हुए विषयों की सेमेस्टर परीक्षाओं का शेड्यूल भी जारी कर दिया है। यह परीक्षाएं 16 फरवरी से एक मार्च तक संपन्न होंगी।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि एमए अरेबिक, एआइएच, बीए आनर्स सोशल वर्क, एआइएच सहित कई विषयों का विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दिया गया है।

ये हैं विषयवार परीक्षा की तिथियां

- बीए आनर्स सोशल वर्क तृतीय और पांचवा सेमेस्टर : 16 से 23 फरवरी
- बीए आनर्स एआइएच तृतीय सेमेस्टर : 16 से 25 फरवरी
- बीए आनर्स एआइएच पांचवा सेमेस्टर : 17 से 27 फरवरी
- एमए अरेबिक, अरब कल्चर और मार्डन अरेबिक तृतीय सेमेस्टर : 20 से 27 फरवरी
- एमए एआइएच तृतीय सेमेस्टर (ग्रुप-ए और बी) : 18 से 25 फरवरी
- एमएससी (न्यूट्रीशियन) तृतीय सेमेस्टर : 20 फरवरी से एक मार्च
- मास्टर आफ सोशल वर्क तृतीय सेमेस्टर : 16 से 25 फरवरी
- एमए इन पापुलेशन एजुकेशन एंड रूरल डेवलपमेंट तृतीय सेमेस्टर : 16 से 23 फरवरी
- एमए इन क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन तृतीय सेमेस्टर : 16 से 23 फरवरी
- मास्टर आफ पब्लिक हेल्थ (कम्यूनिटी मेडिसिन) तृतीय सेमेस्टर : 16 से 25 फरवरी।

AMRIT VICHAR PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी की परीक्षा केन्द्रों की सूची

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक और परास्नातक के सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केन्द्रों की सूची जारी कर दी है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों की सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी है।

THE PIONEER PAGE 4

Former LU prof passes away

PNS ■ LUCKNOW

Former professor of Lucknow University (Geology department) Indra Bir Singh passed away on Thursday morning. Singh, who had been suffering from a lung ailment for the last couple of years, died of a heart attack.

His mortal remains were brought to the Geology department for the faculty members and students to pay their last respects. Prof Vibhuti Rai said Singh was a world renowned geologist.

"Prof Singh dared to think differently in all scientific pursuits. Apart from geology, his knowledge and accomplishments went way beyond the streams of art, music, culture, history and cuisines. As his first regular research student, I had the privilege of knowing him very closely. He had the vision, perhaps with a third eye, which made him solve so many different tangled and vexed problems of geology. He was a man with novel ideas emerging all the time, and straightforwardness was his style. Although known as a world famous sedimentologist, he was no less an achiever in the fields of precambrian to quaternary geology. With over 200 research publications and four books, his contributions have become immortal, like himself. His work on Karewa in Jammu and Kashmir is exemplary," Rai said.

File photo of Prof Indra Bir Singh

Prof Singh completed BSc (Hons) in 1961 and MSc (Geology) in 1962 from LU. He went on to obtain a doctorate in 1966 from the Technical University of Stuttgart, Germany.

He joined the department of Geology in 1972, started teaching and research in the field of sedimentology and stratigraphy, became a lecturer in 1975), reader in 1984 and professor in 1986. He became the head of the department in 1995, dean in 2003 and retired in 2008. He was a visiting professor at Louisiana State University (1984-86) and the University of Erlangen-Nuremberg (1998-99). He was also an Alexander von Humboldt Fellow in Germany (1978-79).

"Prof Singh applied the knowledge of environment to resolve geological problems of wide ranging time and space. He reinterpreted part of the Himalayan succession and established Precambrian - Cambrian boundary. He made a comprehensive study of the Ganga Plain, providing in-depth analysis of landform development, physical-geo-chemical process interaction and human landform interaction. He has been associated with important geo-archaeological findings — namely identification of Ganga Plain as grassland in the past and domestication of rice since 8,500 years BP," a Lucknow University official said.

Prof Singh was conferred L Rama Rao Birth Centenary Award by the Geological Society of India (1996) and National Mineral Award by the Union Ministry of Mines (1996). He was also honoured with the Fellow of National Academy of Sciences (FNA).